Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 5 | प्राकृतिक वनस्पति

QUIZ PART-02

1. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनों का दूसरा नाम क्या है?

A. शीतोष्ण वन

B. मानसून वन

C. सदाबहार वन

D. पर्वतीय वन (B)

व्याख्या : उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनों को मानसून वन भी कहा जाता है।

2. आर्द्र पर्णपाती वनों के विकास के लिए वर्षा की मात्रा कितनी होती है?

A. 50–70 सेमी

B. 70–100 सेमी

C. 100–200 सेमी

D. 200 सेमी से अधिक (C)

व्याख्या : आर्द्र पर्णपाती वन 100 से 200 सेंटीमीटर वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

3. आर्द्र पर्णपाती वन मुख्य रूप से कहाँ पाए जाते हैं?

A. राजस्थान का मरुस्थल

B. पश्चिमी हिमालय की ऊपरी ढाल

C. पूर्वी ढालों, पूर्वोत्तर राज्यों और ओडिशा में

D. कच्छ का रण (C)

व्याख्या : ये वन मुख्यतः पूर्वोत्तर भारत, पश्चिमी घाट की पूर्वी ढालों और ओडिशा में पाये जाते हैं।

4. आर्द्र पर्णपाती वनों की प्रमुख प्रजातियों में से एक है—

A. खेजड़ी

B. बबूल

C. साल

D. खैर (C)

व्याख्या : साल, सागौन, शीशम, महुआ इत्यादि आर्द्र पर्णपाती वनों में प्रमुख वृक्ष हैं।

5. शुष्क पर्णपाती वन किस क्षेत्र में अधिक पाए जाते हैं?

A. तटीय मैदान

B. प्रायद्वीपीय पठार और बिहार–उत्तर प्रदेश

C. पश्चिमी घाट

D. हिमालय क्षेत्र (B)

व्याख्या : शुष्क पर्णपाती वन मुख्यतः प्रायद्वीपीय पठार, बिहार और उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्सों में पाए जाते हैं।

6. शुष्क पर्णपाती वनों की विशेषता क्या है?

A. पेड़ों की ऊँचाई बहुत अधिक

B. वर्ष भर सघन हरा आच्छादन

C. शुष्क ऋतु में पत्तों का झड़ना

D. झाड़ियाँ न होना (C)

व्याख्या : इन वनों की प्रमुख विशेषता है कि शुष्क ऋतु में पत्ते झड़ने लगते हैं, जिससे पाका-नुमा भू-दृश्य बनता है।

7. शुष्क पर्णपाती वनों में पाई जाने वाली प्रजाति कौन-सी है?

A. बबूल

B. तेंदु

C. खजूर

D. खेजड़ी (B)

व्याख्या : तेंदु, पलास, अमलतास, बेल आदि शुष्क पर्णपाती वनों की प्रमुख वृक्ष प्रजातियाँ हैं।

8. काँटेदार वन मुख्यतः किन क्षेत्रों में पाए जाते हैं?

A. अत्यधिक वर्षा वाले क्षेत्र

B. रेतीले और कम वर्षा वाले क्षेत्र

C. पर्वतीय क्षेत्रों की ऊँची ढालें

D. तटीय क्षेत्र (B)

व्याख्या : काँटेदार वन 50 सेमी से कम वर्षा वाले, विशेषकर रेतीले और शुष्क क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

9. काँटेदार वनों की प्रमुख प्रजातियों में से कौन-सी है?

A. साल

B. शीशम

C. खेजड़ी

D. सागौन (C)

व्याख्या : बबूल, खैर, खेजड़ी, बेर आदि काँटेदार वनों में सामान्यतः पाई जाने वाली प्रजातियाँ हैं।

10. काँटेदार वनों में पेड़ों की कौन-सी विशेषता पाई जाती है?

A. पत्तियाँ बड़ी होती हैं

B. तने बहुत चौड़े होते हैं

C. पत्तियाँ छोटी एवं काँटों में परिवर्तित

D. ऊँचाई 60 मीटर से अधिक (C)

व्याख्या : इन वनों में पेड़ों की पत्तियाँ छोटी तथा काँटों के रूप में परिवर्तित होती हैं, जिससे वाष्पोत्सर्जन कम होता है।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App